जिस्मानी रिश्तों की चाह -12

“आपी आज भी सिर्फ़ गाउन में थीं और हालात कल शाम वाले ही थे। मैंने आपी के मम्मों पर एक भरपूर नज़र डाली और ठंडी आह भरते हुए टेबल से उठ खड़ा हुआ। ...”

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: रविवार, जून 26th, 2016
Categories: जवान लड़की
Online version: जिस्मानी रिश्तों की चाह -12

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिस्मानी रिश्तों की चाह -12

सम्पादक जूजा
अब तक आपने पढ़ा..

आपा ने मेरे आँसू देखे तो तड़प कर मेरे चेहरे को दोनों हाथों से थाम लिया और मेरे माथे को चूमती हुई भरी आवाज में कहने लगी- ना.. मेरे भाई.. नहीं मेरे सोने भाई.. कभी तेरी आँखों में आँसू ना आएँ.. मेरा सोना भाई.. मेरा सोना भाई..
आपा बोलती जा रही थी, मेरा माथा चूमती जा रही थी।
अब आगे..

मेरा दिल भी भर आया था और मेरे आँसू भी नहीं थम रहे थे।
जब मेरी बर्दाश्त जवाब देने लगी तो मैंने अपने आपको आपी से छुड़वाया और रोते हुए और अपने आँसू साफ करते हुए भाग कर बाथरूम में घुस गया।

मैं जब सवा घंटे बाद नहा कर बाथरूम से निकला.. तो अपने आपको बहुत फ्रेश महसूस कर रहा था। आपी पता नहीं कब कमरे से चली गई थीं।
मैं भी नीचे आया तो आपी से सामना नहीं हुआ और मैं घर से बाहर निकलता चला गया।

शाम हो चुकी थी.. मैं रात तक स्नूकर क्लब में रहा और रात 9 बजे घर लौटा तो अब्बू.. हनी और अम्मी डाइनिंग टेबल पर ही मौजूद थे।
हनी और अब्बू से मिलने के बाद मैं भी खाना खाने लगा।

अब्बू ने हनी से पूछा- रूही कहाँ है ? भाई से मिली भी है या नहीं ?
हनी ने कहा- अब्बू आपी कोई बुक पढ़ रही हैं.. भाई तो दिन में ही आ गए थे.. आपी तो घर

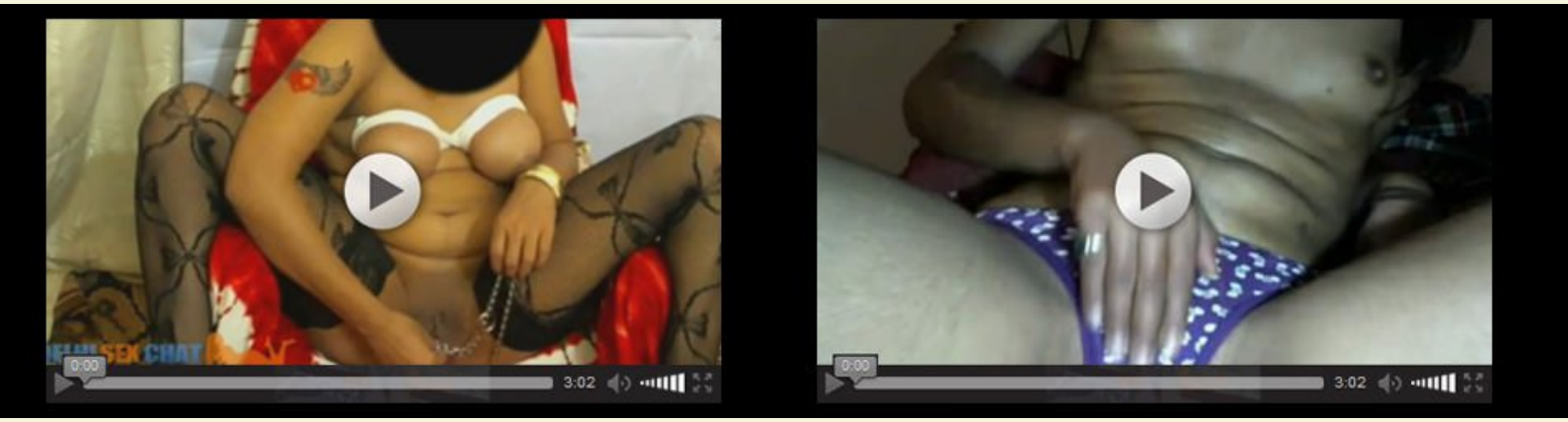

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

में ही थीं.. मिल ली होंगी।

जब सब खाना खा चुके तो अब्बू ने हनी को कहा- जाओ बेटा जाकर सो जाओ.. सुबह स्कूल भी जाना है।

वे मुझसे गाँव के बारे में बातें पूछने लगे। उसके बाद वो भी सोने के लिए चले गए और मैं भी अपने कमरे में आ गया।
मैं बिस्तर पर लेटा तो सुबह आपी के साथ गुज़ारा टाइम याद आने लगा।
फिर मुझे पता ही नहीं चला कि कब आँख लगी।

सुबह आँख खुली तो कॉलेज के लिए देर हो गई थी.. मैं जल्दी-जल्दी तैयार हुआ.. तो कमरे से निकलते हुए मेरी नज़र कंप्यूटर पर पड़ी.. तो बगैर कुछ सोचे-समझे ही मैंने पॉवर कॉर्ड निकाली और अपनी अलमारी में लॉक कर दी।

नीचे आया तो मेरा नाश्ता टेबल पर तैयार पड़ा था.. लेकिन वहाँ ना आपी थीं.. ना अम्मी.. खैर.. मुझे वैसे ही देर हो रही थी.. मैंने नाश्ता किया और कॉलेज चला गया।

दिन का खाना में अमूमन कॉलेज के दोस्तों के साथ ही कहीं बाहर खा लेता था। शाम में 2-3 घन्टों के लिए घर में होता था.. फिर स्नूकर क्लब चला जाता था। जहाँ आजकल वैसे भी एक टूर्नामेंट चल रहा था.. और मेरा शुमार भी अच्छे प्लेयर्स में होता था.. इस वजह से रात घर भी देर से जाता.. तो अब्बू-अम्मी के साथ कुछ देर बातें करने के बाद सोने चला जाता।

आज ही अब्बू ने मुझे बताया कि फरहान एक महीने के लिए टूर पर जा रहा है गाँव के कज़न्स के साथ.. उनकी बात मैंने सुनी और सोने चला गया।

अजीब सी तबीयत हो गई थी इन दिनों.. सेक्स की तरफ बिल्कुल भी ध्यान नहीं जाता था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इसी तरह दिन गुज़र रहे थे.. सुबह नाश्ता टेबल पर तैयार मिलता था।

लेकिन वहाँ कोई नहीं होता था। अक्सर नाश्ता ठंडा हो जाता था.. जिसकी वजह से मैं आधा कप चाय.. आधा परांठा या ऑमलेट वैसे ही छोड़ कर निकल जाया करता था।

इस बात को शायद आपी ने भी महसूस कर लिया था।

आपी के साथ उस दिन वाले वाकये का आज सातवाँ दिन था। जब सुबह मैं डाइनिंग टेबल पर पहुँचा तो नाश्ता मौजूद नहीं था.. लेकिन किचन से बर्तनों की आवाज़ आ रही थी.. जो वहाँ किसी की मौजूदगी का पता दे रही थीं। कुछ ही देर बाद आपी आईं और मेरे सामने सारा नाश्ता सज़ा कर बगैर कुछ बोले वापस चली गईं।

मैंने पीछे मुड़ कर आपी को देखा तो वो अपने कमरे की तरफ जा रही थीं और अपने यूज़ुअल ड्रेस यानि बड़ी सी चादर और स्कार्फ में थीं।
उस दिन के बाद आज पहली बार मेरा और आपी का आमना-सामना हुआ था।

फिर रोज़ ही ऐसा होने लगा कि जब मैं आकर बैठ जाता.. तो आपी गरम-गरम नाश्ता लाकर मेरे सामने रखतीं और अपने कमरे में चली जातीं।

उस वाक़ये को आज ग्यारहवां रोज़ था।

सुबह जब आपी नाश्ता लेकर आईं.. तो उन्होंने मुझे एक पेपर दिया.. जिस पर कुछ बुक्स के नाम लिखे थे और मुझसे कहा- कॉलेज से आते हो.. याद से ये बुक्स खरीद लाना..
मैंने कहा- ठीक है आपी..

नाश्ता करने के बाद मैं कॉलेज चला गया।

अब अक्सर ऐसा होता कि आपी सुबह कोई ना कोई काम की बात कर लेती थीं और जो

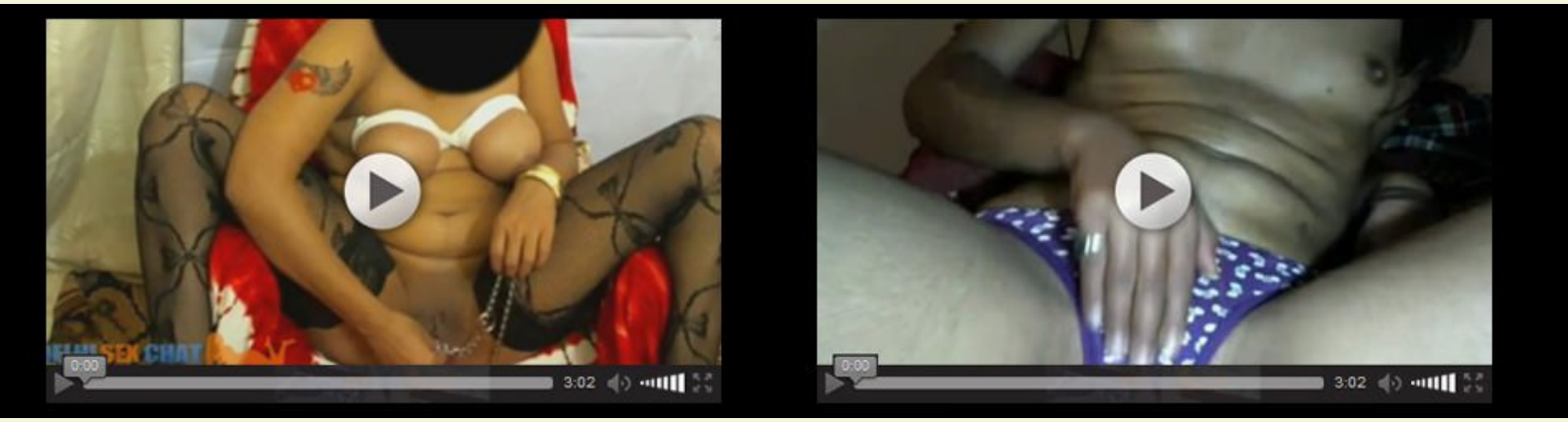

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सन्नाटा हमारे दरमियान कायम हो गया था.. अब वो टूट रहा था लेकिन वो अब भी बहुत रिज़र्व रहती थीं।
अक्सर मेरे साथ ही बैठ कर नाश्ता भी करने लगी थीं.. लेकिन फालतू बातें या मज़ाक़ नहीं करती थीं।

उस वाक़ये का आज 17वां दिन था.. आपी नाश्ता लेकर आईं.. तो उनके जिस्म पर बड़ी सी चादर नहीं थी.. सिर्फ़ स्कार्फ बाँधा हुआ था और सीने पर दुपट्टा फैला रखा था। उन्होंने मेरे साथ ही बैठ कर नाश्ता किया और मैं कॉलेज के लिए निकल गया।

उस वाकये का 20 वां दिन था.. आपी ने मेरे सामने नाश्ता रखा.. तो ना ही उनके सिर पर स्कार्फ था और ना ही दुपट्टा। लेकिन सिर पर बालों का बड़ा सा जूड़ा बाँध रखा था।

मेरे होश संभालने के बाद से यह पहली बार था कि मैंने आपी को सिर्फ़ क़मीज़ सलवार में देखा था.. ना दुपट्टा.. ना चादर.. ना स्कार्फ..

आपी नाश्ता रख कर अपने कमरे की तरफ जा रही थीं.. तो मैंने पहली मर्तबा उनकी कमर देखी.. जो उनके शानों और कूल्हों के दरमियान काफ़ी गहराई में थी और कमान सी बनी हुई थी।

आज 20 दिन बाद मेरे लण्ड ने जुंबिश ली और मुझे अपने हरामी होने का अहसास दिलाया.. वरना मैं तो अपने लण्ड को भूल ही चुका था।

अगले दिन से आपी अपनी यूजुअल ड्रेसिंग पर वापस आ चुकी थीं।

उस वाक़ये का आज 24वां दिन था.. जब आपी ने मुझे नाश्ता दिया। वो उस दिन बड़ी सी चादर और स्कार्फ में मलबोस थीं और उनका चेहरा बहुत पाकीज़ा लग रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं नाश्ता करके उठा और दरवाज़े तक पहुँचा ही था कि आपी ने मुझे आवाज़ दी ‘सगीर..’
मैं रुका और मुड़ कर कहा- जी आपी ?

उस वक़्त तक वो मेरे क़रीब आ चुकी थीं।
आपी ने बिना किसी झिझक या शर्मिंदगी के आम से लहजे में मुझसे पूछा- सगीर, पॉवर कॉर्ड कहाँ है ?

आपी का अंदाज़ ऐसा था.. जैसे वो किसी आम सी किताब का या किसी सब्ज़ी का पूछ रही हैं।

मैंने भी आपी के ही अंदाज़ में अपने बैग से चाभी निकाली और आपी के हाथ में पकड़ाते हुए कहा.. ऐसे-जैसे मैं भी उन्हें सब्ज़ी ही का बता रहा हूँ।
‘मेरी अलमारी में रखी है..’

और मैं बाहर निकल गया।

अगले दिन भी नाश्ते के बाद जब मैं बाहर निकलने ही वाला था.. तो आपी अपनी चादर को संभालती हुई मेरे पास आईं और उसी नॉर्मल से अंदाज़ में कहा- सगीर तुम कितने बजे तक घर आओगे ?

‘दो बजे तक आ जाऊँगा.. क्यूँ.. ??’ मैंने कुछ ना समझने वाले अंदाज़ में जवाब दिया।
‘नहीं कुछ नहीं.. बस मैं ये कहना चाह रही थी कि तुम 5 बजे तक घर नहीं आना.. मैं आज ज्यादा टाइम चाहती हूँ..’
‘ओके ठीक है.. मैं 5 बजे से पहले नहीं आऊँगा।’

हमारा बात करने का अंदाज़ बिल्कुल नॉर्मलौर सरसरी सा था.. लेकिन आपी भी जानती थीं कि वो क्या कह रही हैं और मुझे भी अच्छी तरह पता था कि आपी किस बात के लिए आज

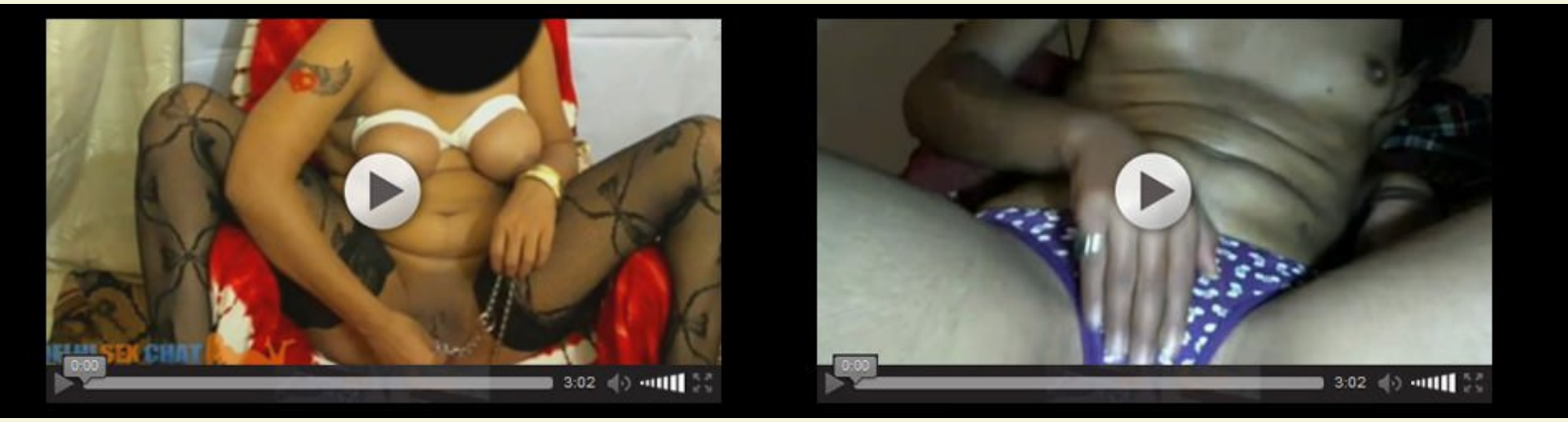

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ज्यादा टाइम चाहती हैं।

आप लोग भी समझ ही गए होंगे कि मेरी सग़ी बहन.. मेरी हसीन और बा-हया बहन हार गई थी.. और उनके टाँगों के बीच वाली जगह जीत गई थी।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मैं 5:20 पर अपने घर में दाखिल हुआ तो आपी इत्तिफ़ाक़ से उसी वक़्त ऊपर से नीचे आ रही थीं और उन्होंने अपना वो ही काला सिल्क का अबया पहना हुआ था, उनके पाँव में चप्पल भी नहीं थीं और बाल खुले हुए उनके कूल्हों से भी नीचे तक हवा में लहरा रहे थे।

आपी के खड़े हुए निप्पल उनके अबाए में साफ ज़ाहिर हो रहे थे.. जो इस बात का पता दे रहे थे कि अबाए के अन्दर आपी बिल्कुल नंगी हैं।

मैंने आपी को सलाम किया.. तो उन्होंने अपने अबाए के बाजुओं को कोहनियों तक फोल्ड करते हुए मेरे सलाम का जवाब दिया और पूछा- खाना खाओगे ?

'नहीं.. मैं खाना खा कर आया हूँ.. बस एक कप चाय बना दें..' मैंने आपी के खूबसूरत सुडौल और बालों से बिल्कुल पाक बाजुओं पर नज़र जमाए हुए कहा।

'ओके.. तुम बैठो मैं अभी बना देती हूँ..' यह कह कर वो किचन की तरफ चल दीं।

मैंने आपी को इतने इत्मीनान से इस हुलिए में घूमते देख कर कहा- आपी क्या घर में कोई नहीं है ?
'नहीं.. हनी तो वैसे भी छुट्टियाँ नानी के घर गुजार रही है.. और अम्मी और अब्बू किसी ऑफिस के मिलने वाले की बेटी की शादी में गए हैं।'
उन्होंने चाय बनाते बनाते किचन से ही जवाब दिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझे चाय दे कर आपी अपने कमरे में चली गईं और मैं आपी के इस नए अंदाज़ को सोचने लगा।
फ़ौरन ही घंटी की आवाज़ ने मेरी सोच की परवाज़ को वहीं रोक दिया, बाहर मेरे कुछ दोस्त थे जो कहीं पिकनिक पर मुझे भी साथ ले जाना चाह रहे थे।
मैं आपी को बता कर उनके साथ चला गया।

फिर अगली सुबह नाश्ते के वक़्त ही आपी से सामना हुआ, वो आज भी सिर्फ़ गाउन में थीं और हालात कल शाम वाले ही थे।

आपी मेरे साथ ही नाश्ता करने लगीं और हम इधर-उधर की बातें करते रहे।
मैंने आपी के हुलिया के पेशे नज़र कहा- आपी अम्मी-अब्बू घर में ही हैं ना ?

'हाँ.. लेकिन सो रहे हैं अभी..'
उन्होंने चाय का घूँट भरते हुए लापरवाह अंदाज़ में जवाब दिया।

मैंने भी चाय का आखिरी घूँट भरते हुए आपी के मम्मों पर एक भरपूर नज़र डाली और ठंडी आह भरते हुए टेबल से उठ खड़ा हुआ।

आपसे इल्तज़ा है कि अपने ख्याल कहानी के आखिर में जरूर लिखें।

कहानी जारी है।
avzooza@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Savita Bhabhi Movie

URL: www.savitabhabhimovie.com **Site language:** English (movie - English, Hindi) **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated erotic movie.

Antarvasna Indian Sex Photos

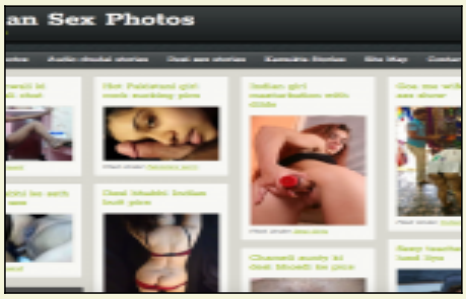

URL: antarvasnaphotos.com **Average traffic per day:** 42 000 GA sessions **Site language:** Hinglish **Site type:** Photo **Target country:** India Free Indian sex photos, sexy bhabhi, horny aunty, nude girls in hot Antarvasna sex pics.

Desi Kahani

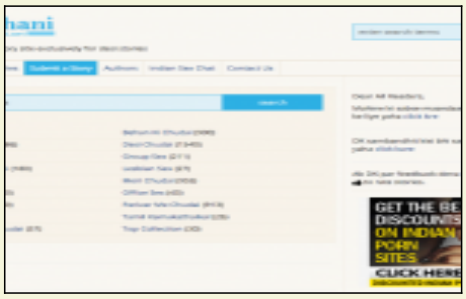

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Pinay Sex Stories

URL: www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.

Indian Sex Stories

www.indiansexstories.net **Average traffic per day:** 446 000 GA sessions **Site language:** English and Desi **Site type:** Story **Target country:** India The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories.

Antarvasna Hindi Stories

URL: www.antarvasnahindistories.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Antarvasna Hindi Sex stories gives you daily updated sex stories.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire